उत्तर प्रदेश बन रहा है 'एक्सप्रेस-वे प्रदेश'

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे शुरू होने से घटेंगी दूरियां, बढ़ेगी कनेक्टिविटी

उत्तर प्रदेश में सड़क संपर्क बढ़ने के साथ ही रोजगार के अनेक अवसर भी पैदा होंगे

विशेष रिपोर्ट

लखनऊ। प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार त्योहारों के मौसम में पूर्वी वासियों को बड़ा तोहफा देने जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 16 नवंबर को पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का औपचारिक रूप से लोकार्पण करेंगे। लखनऊ से आजमगढ़ और मऊ होते हुए गाजीपुर तक 341 किमी लंबे इस एक्सप्रेस-वे पर वाहनों के फर्राटा भरने से जहां समय के लिहाज से एक शहर से दूसरे शहर के बीच की दूरी कम हो जाएगी, वहीं व्यापार और वाणिज्य को पंख लगेंगे। उत्तर प्रदेश में बिछाए जा रहे एक्सप्रेस-वे की शृंखला में चाहे वह पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे हो, बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे या फिर गंगा एक्सप्रेस-वे, ये सभी उत्तर प्रदेश में सड़क संपर्क बढ़ाने के साथ ही रोजगार के अनेक अवसर भी पैदा करेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के किनारे जल्द ही इंडस्ट्रियल हब बनाया जाएगा। इंडस्ट्रियल हब बनने से पूर्वांचल के लोगों को रोजगार के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। लोगों को पूर्वांचल में ही बेहतर रोजगार मिल सकेगा। पूर्वांचल देश का विकास मॉडल बनकर उभर सकेगा।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे निर्माण की गुणवत्ता इतनी बेहतरीन की यहां भारतीय वायुसेना विमान भी उतर जाएं।

परियोजना के फायदे

- पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के निर्माण के साथ ही प्रदेश के पूर्वी छोर न सिर्फ प्रदेश के अन्य शहरों से, बल्कि अन्य एक्सप्रेस-वे के माध्यम से देश की राजधानी से भी जुड़ जाएंगे।
- पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे से पूर्वांचल के शहरों से ट्रांसपोर्ट की काफी हद तक सुविधा मिल सकेगी। इससे राज्य के स्थानीय उत्पादों, हस्तशिल्प और कृषि उत्पादों के निर्यात में तेजी आएगी।
- यह एक्सप्रेस-वे वर्तमान के आगरा से लखनऊ एक्सप्रेस-वे और मौजूदा यमुना एक्सप्रेस-वे से भी जुड़ जाएगा।
- एक्सेस कंट्रोल्ड एक्सप्रेस-वे होने के कारण, यह ईंधन की बचत, समय की बचत और प्रदूषण नियंत्रण में मदद करेगा और साथ ही इससे दुर्घटना होने के आसार भी कम हो जाएंगे।
- इस एक्सप्रेस-वे द्वारा आच्छादित क्षेत्रों को सामाजिक और आर्थिक रूप से विकसित होने में भी मदद मिलेगी। इसके साथ ही कृषि, वाणिज्य, पर्यटन और अन्य औद्योगिक विकास को भी काफी प्रोत्साहन मिलेगा।
- एक्सप्रेस-वे के नजदीकी क्षेत्रों में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, शैक्षिक संस्थान, स्वास्थ्य संस्थान, नए शहर और विभिन्न वाणिज्यिक केंद्रों को स्थापित किया जा सकता है, जिसके परिणाम स्वरूप कई क्षेत्रों में रोजगार के अवसर और बढ़ जाएंगे। इसके अतिरिक्त प्रदेश के आर्थिक/सामाजिक विकास को भी काफी हद तक प्रोत्साहन मिलेगा।

- क्षेत्र के कृषि, वाणिज्य, पर्यटन और औद्योगिक विकास में एक्सप्रेस-वे का निर्माण मील का पत्थर साबित होगा।
- पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे, मौजूदा आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे से जुड़ जाने के फलस्वरूप, पूर्वांचल के शहरों के आर्थिक विकास का प्रवेश द्वार साबित होगा, जिससे पश्चिमी शहरों से ट्रांसपोर्ट कनेक्टिविटी में काफी मदद मिलेगी, जिससे परिणामस्वरूप परियोजना से जुड़े जिलों का सर्वांगीण विकास होगा।
- अभी देशभर के एक्सप्रेसवे में यूपी का हिस्सा 18 प्रतिशत है। पूर्वांचल एक्सप्रेस के साथ यह बढ़कर 38 प्रतिशत हो जाएगा।
- पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे जिला लखनऊ के चांदसराय से जिला गाजीपुर के हैदरिया को जोड़ेगा।
- पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे से प्रदूषण स्तर, समय बचाने, ईंधन की बचत, दुर्घटनाओं में कमी के साथ-साथ कई लाभ प्रदान करने की संभावना है। इसके अलावा, यात्रा समय चार घंटे तक कम होने की उम्मीद की जा रही है।
- पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे, जिसे इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) मोड पर बनाया गया है। 8 लेन तक इसका विस्तार किया जा सकेगा।
- मौजूदा आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे से जुड़ने के बाद पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे एक विशाल औद्योगिक गलियारा बन जाएगा। यह पूर्वी उत्तर प्रदेश को पश्चिमी सीमा से जोड़ देगा, जिससे परिणामस्वरूप राज्य का समग्र विकास हो सकेगा।

सिर्फ यूपी ही नहीं, बिहार के लोगों को भी मिलेगा फायदा

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे से न सिर्फ यूपी के, बल्कि बिहार के लोगों को भी फायदा मिलेगा। इसके बनने के बाद अब दिल्ली से बिहार तक का सफर भी आसान हो जाएगा। दरअसल, दिल्ली से यमुना एक्सप्रेस-वे के जरिये आगरा, फिर आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे से लखनऊ तक का सफर पूरा होगा। इसके बाद लखनऊ से पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे से गाजीपुर आसानी से पहुंचा जा सकेगा। गाजीपुर से बिहार सीमा सिर्फ 20 किमी दूर है। ऐसे में अब इस एक्सप्रेस-वे के बनने के बाद बिहार के लोगों के लिए भी दिल्ली पास हो जाएगी।

पीएम मोदी ने की थी सीएम योगी की तारीफ

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के निर्माण और गुणवत्ता की लगातार निगरानी करते रहे हैं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

मार्च, 2017 में योगी आदित्यनाथ सरकार के सत्ता में आने से पहले प्रदेश में केवल दो एक्सप्रेस-वे ही मौजूद थे। अब इनकी संख्या में इजाफा होने को है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिस तरह से राज्य में एक्सप्रेस-वे के निर्माण में उत्साह दिखाया है, उसकी तारीफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी की थी। पिछले साल देव-दीपावली के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब वाराणसी आए थे, तो उन्होंने मुख्यमंत्री की तारीफ करते हुए कहा था कि उत्तर प्रदेश अब 'एक्सप्रेस-वे प्रदेश' बन चुका है।

बढ़ेगी पूर्वांचल की आर्थिक ताकत

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे से उत्तर प्रदेश के 9 जिले लखनऊ, सुल्तानपुर, फैजाबाद, अंबेडकरनगर, आजमगढ़, बाराबंकी, अमेठी, मऊ और गाजीपुर सीधे तौर पर जुड़े हैं। इन पूर्वांचल के जिलों के साथ सड़क मार्ग से बिहार जाने वाले यात्रियों के लिए भी पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे काफी सहायक होगा। मौजूदा आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे से जुड़ने के बाद पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे एक विशाल औद्योगिक गलियारा बन जाएगा। ये पूर्वी उत्तर प्रदेश को पश्चिमी सीमा से जोड़ देगा, जिसके परिणामस्वरूप उत्तर प्रदेश का समग्र विकास होगा। आगे चलकर पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे को अयोध्या, इलाहाबाद, वाराणसी और गोरखपुर से लिंक रोड से जोड़ा जाएगा।

दुर्घटनाओं में भी आएगी कमी

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पूरी तरह एक्सेस कंट्रोल्ड एक्सप्रेस-वे होगा। इसके शुरू होने के बाद दुर्घटनाओं में कमी के साथ प्रदूषण स्तर और ईंधन की बचत तो होगी ही, साथ ही यात्रियों के समय का भी बचाव होगा। यह एक्सप्रेस-वे शुरू होने से नौ जिलों के साथ-साथ उन जिलों को भी फायदा होगा जो इन जिलों की सीमा से सटे हुए हैं। एक्सप्रेस-वे के शुरू होने से इसके आस-पास नये शैक्षिक संस्थान, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, चिकित्सा संस्थान आदि का निर्माण हो सकता है, जो पूर्वांचल के लोगों को राहत के साथ रोजगार भी देंगे।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे की खासियत

341

किलोमीटर एक्सप्रेस-वे की कुल लंबाई।

लखनऊ के चांदसराय से शुरू होकर बाराबंकी, अमेठी, सुल्तानपुर, अयोध्या, अंबेडकरनगर, आजमगढ़, मऊ होते हुए गाजीपुर के हैदरिया में खत्म।

पूरी योजना पर बेहतर तरीके से अमल करने के लिए पूरा एक्सप्रेस-वे 8 पैकेज में विभाजित।

सिक्स लेन के इस प्रोजेक्ट को बाद में आठ लेन तक किया जा सकता है।

प्रदेश के 9 जिलों से गुजर रहा है यह एक्सप्रेस-वे, बिहार के कुछ जिलों को भी मिलेगा लाभ।

3300 मीटर लंबी एयर स्ट्रिप के साथ ही उत्तर प्रदेश एक्सप्रेस-वे पर दो हवाई पट्टियां बनाने वाला देश का पहला प्रदेश हो गया है।

सुल्तानपुर जिले के कूरेभार के पास यह एयर स्ट्रिप बनाई गई है।

व्यापार और वाणिज्य को भी पंख लगेंगे

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ड्रीम प्रोजेक्ट कहे जाने वाले पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का शिलान्यास जुलाई, 2018 में आजमगढ़ में प्रधानमंत्री मोदी ने ही किया था। इस एक्सप्रेस-वे को पूर्वी यूपी के लिए लाइफ लाइन कहा जा रहा है। लखनऊ से आजमगढ़ और मऊ होते हुए गाजीपुर तक इस एक्सप्रेस-वे पर वाहनों के फर्राटा भरने से समय के लिहाज से पूर्वी और पश्चिमी यूपी के बीच की दूरी कम हो जाएगी। साथ ही, व्यापार और वाणिज्य को भी पंख लगेंगे।

सपने हो रहे साकार, विकास को 'रफ्तार' देती मोदी-योगी सरकार

डॉ. महेंद्र कुमार सिंह

'जहां से सड़क पर गड्ढे शुरू होते हैं, वहां से उत्तर प्रदेश की शुरुआत होती है।' दशकों से आमजन की यह आम धारणा हुआ करती थी, जो 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और 2017 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्य संभालने के बाद बदलने लगी और अब पूरी तरह बदल चुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में 'नये भारत का नया उत्तर प्रदेश' की संकल्पना मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में अब धरातल पर दिखने लगी है और विकास के नये आयाम गढ़ता उत्तर प्रदेश प्रत्येक क्षेत्र में अहम भूमिका निभा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार 'हर घर-हर गांव और हर जनपद' को विकास से जोड़ने के लिए सतत क्रियाशील है और उसी का परिणाम है कि दशकों तक पिछड़ेपन का दंश झेल रहे पूर्वांचल को उसकी नयी पहचान प्राप्त होने जा रही है।

पीएम नरेंद्र मोदी 16 नवंबर को पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी के देश की बागडोर संभालने के बाद से ही पूर्वांचल का विकास उनकी प्राथमिकता में दिखा। पहले गोरखपुर में एम्स की स्थापना, फर्टिलाइजर कारखाने को नया जीवन देना तथा घर-घर गैस पाइपलाइन पहुंचना, पूर्वांचल के विकास के प्रति उनके दृढ़ संकल्प को दर्शाता है। 2017 में योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनने के बाद प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में पिछड़ा कहे जाने वाले इस क्षेत्र में विकास ने और तेजी से रफ्तार पकड़ी है। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे आमजन के सपनों का 'एक्सप्रेस-वे' है, जो पूर्वांचल को विकास की मुख्यधारा से जोड़ेगा।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे केवल एक सड़क नहीं है, यह प्रदेश के विकास और अर्थव्यवस्था को एक नयी पहचान दिलाने तथा औद्योगिक निवेश को आकर्षित करने का सूत्र है, जो नौजवानों को रोजगार और उन्हें स्वावलंबन की ओर अग्रसर करेगा। योगी सरकार प्रदेश को पूर्व से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण तक विश्वस्तरीय सड़कों के माध्यम से जोड़ रही है। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे, बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे, गंगा एक्सप्रेस-वे, गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे और बलिया लिंक एक्सप्रेस-वे इसका उदाहरण है।

पूर्वी यूपी को मिलेगी नई रफ्तार

341 किमी. लंबा पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पूर्वी उत्तर प्रदेश के विकास को नयी रफ्तार देगा। एक्सप्रेस-वे फिलहाल छह लेन चौड़ा है, जिसे आठ लेन तक विस्तार दिया जा सकता है। यह एक्सप्रेस-वे लखनऊ, बाराबंकी, अमेठी, अयोध्या, सुल्तानपुर, अंबेडकरनगर, आजमगढ़, मऊ तथा गाजीपुर से होकर गुजरेगा, जो आजमगढ़ और मऊ जैसे जिलों को सीधा प्रदेश की राजधानी लखनऊ से जोड़ेगा। यह एक्सप्रेस-वे आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे व यमुना एक्सप्रेस-वे के साथ भी जुड़ा है, जिसके माध्यम से राजधानी दिल्ली तक यातायात काफी सुगम हो जाएगा। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे को अलग लिंक रोड के जरिये वाराणसी-आजमगढ़ हाईवे से जोड़ा जा रहा है। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे का भी निर्माण किया जा रहा है, जो गोरखपुर जिले को आजमगढ़ जिले में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे से जोड़ेगा। 17 किमी लंबी, 4-लेन चौड़ी बक्सर-गाजीपुर एलिवेटेड रोड (बक्सर में भरौली से गाजीपुर में हैदरिया तक) के पूरा होने पर, उत्तर प्रदेश में लखनऊ-पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे और नेशनल हाईवे के द्वारा बिहार के आरा और पटना से सीधे जुड़ जाएगा। एक्सप्रेस-वे से इन क्षेत्रों की कनेक्टिविटी तो बढ़ेगी ही, साथ ही पूर्वांचल का चहुंमुखी विकास भी संभव हो सकेगा, जो दशकों से अधर में लटका था।

हर छोटे-बड़े आयाम के लिए बड़े शहरों की तरफ रुख करने वाले पूर्वी उत्तर प्रदेश के आमजन के लिए पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे किसी वरदान से कम साबित नहीं होगा। एक्सप्रेस-वे के नजदीकी क्षेत्रों में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, शैक्षिक संस्थान, स्वास्थ्य संस्थान, नए शहर और विभिन्न वाणिज्यिक केंद्रों की स्थापना से रोजगार के नये अवसर के साथ दूसरे शहरों पर निर्भरता कम होगी। एक्सप्रेस-वे के दोनों किनारों पर इंडस्ट्रियल हब विकसित करने की योजना है, जो उद्योगों को प्रोत्साहन देने के साथ ही पर्यटन को भी बढ़ावा देगी।

यूपी बना एक्सप्रेस-वे प्रदेश

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की बागडोर संभालने के साथ ही 'सबका साथ-सबका विकास' के मंत्र को पूर्ण करने का संकल्प लिया था, जिसे वह साकार करते नजर आ रहे हैं। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे उसकी एक महत्वपूर्ण कड़ी है। 16 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे आमजन को समर्पित करेंगे। यह ऐतिहासिक दिन न सिर्फ पूर्वांचल बल्कि पूरे प्रदेश के लिए एक स्वर्णिम अध्याय की शुरुआत करेगा। विकास की रफ्तार को नई गति प्रदान करने वाला पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे आम जनता के सपनों को भी पूर्ण करने में सहायक सिद्ध होगा। देश की सबसे बड़ी आबादी वाले राज्य में कभी एक या दो एक्सप्रेस-वे हुआ करते थे, आज प्रदेश में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के अलावा बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे, गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे, गंगा एक्सप्रेस-वे और बलिया लिंक एक्सप्रेस-वे पर तेजी से काम जारी है। यही वजह है कि उत्तर प्रदेश को अब 'एक्सप्रेस-वे प्रदेश' भी कहा जाने लगा है। जनता को उम्मीद और विश्वास की अपनी सरकार पर भरोसा है प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए, सतत प्रयासरत है और यह क्रम आगे वाले दिनों में भी जारी रहेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश बदल रहा है। विकास क्या होता है, जनता ने अब महसूस किया है। इसलिए तो अब प्रदेश का हर नागरिक पूरे विश्वास और गर्व से कहता है, 'हां, मैं नये उत्तर प्रदेश के निर्माण का साथी हूं।'

ओडीओपी उत्पादों की भी बढ़ेगी पहुंच

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे को यू ही 'सपनों का एक्सप्रेस-वे' नहीं कहा जा रहा है। कई मायनों में यह बेहद खास है। पूर्ववर्ती सरकारों ने कभी भी पूर्वांचल के विकास पर विचार नहीं किया। यही वजह है कि जिस गति से क्षेत्र का विकास होना चाहिए था, वह नहीं हुआ। बड़े उद्योग तो दूर कुटीर उद्योग भी हाशिये पर थे। यहां की पहचान रही काली मिट्टी के बर्तन एवं कलाकृतियां, जूट के पारंपरिक उत्पाद सिर्फ कुछ गांवों तक सीमित रह गये थे। अब इस पहचान को सीएम योगी आदित्यनाथ के 'ड्रीम प्रोजेक्ट' पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के जरिये पूरे देश में ख्याति मिल सकेगी। 'एक जिला-एक उत्पाद' योजना के अंतर्गत तैयार स्थानीय उत्पादों को आसानी से प्रदेश एवं देश के अन्य हिस्सों तक पहुंचाया जा सकेगा। इसके अलावा राष्ट्रीय सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए एक्सप्रेस-वे पर सुल्तानपुर में 3.2 किमी लंबी हवाई पट्टी का निर्माण भी किया गया है। एयर स्ट्रिप का प्रयोग आकस्मिक किसी भी आपात स्थिति में लड़ाकू विमान को उतारने या फिर उड़ाने के लिए कर सकेंगे। (लेखक वरिष्ठ स्तंभकार एवं सहायक आचार्य, राजनीति विज्ञान विभाग, दीडीयू गोरखपुर विश्वविद्यालय हैं।)

मीडिया सॉल्यूशन इनीशिएटिव